

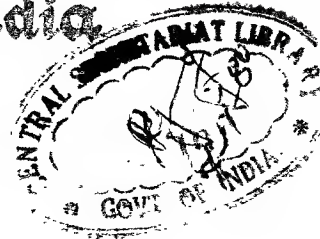


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 105] नई दिल्ली, मंगलवार, जून 10, 1980/ज्येष्ठ 20, 1902  
No. 105] NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 10, 1980/JYAISTHA 20, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना सं. 27-ईटीसी(पीएन)/80

नई दिल्ली, 10 जून, 1980

निर्यात व्यापार नियंत्रण

विषय :—भारत से हाथी-दांत के उत्पादों का निर्यात-1-2-1977 से पूर्ण  
आयातित पुराने हाथी-दांत के भण्डारों की घोषणा ।

क्रिसिल सं. 25/3/80-ई 2.—उपरोक्त विषय पर वाणिज्य विभाग की  
सार्वजनिक सूचना सं. 7-ईटीसी(पीएन)/80 दिनांक 1-2-1980 की ओर ध्यान  
दिलाया जाता है ।

2. उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना के अनुच्छेद 2 के अनुसार व्यापारियों/विनिर्माताओं को 4 फरवरी, 1977 से पूर्व आयातित और 19-2-80 तक उनके पास पड़े हुए पुराने अफ्रीकन हाथी-दांत की घोषणा अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड, रामाकृष्णापुरम्, नई दिल्ली को 29-2-1980 तक करनी अपेक्षित थी। 29-2-1980 तक घोषित भंडार समाप्त हो जाने पर अफ्रीकन हाथी-दांत से बनी वस्तुओं के निर्यात के लिए छूट प्रमाण-पत्र जारी किए जाने थे।

3. सरकार को प्रतिवेदन प्राप्त हुए हैं कि बहुत बड़ी संख्या में हाथी-दांत से बनी वस्तुओं के व्यापारी/विनिर्माता जैसा कि उन्होंने जी. एम. पी. लाभों का दावा करने के लिए अपने भंडारों की घोषणा अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड को पहले ही कर दी थी, वे सार्वजनिक सूचना संख्या 7-ईटीसी(पीएन)/80 दिनांक 1-2-1980 के अनुसार अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड के सम्मुख अपने भंडारों को घोषित नहीं कर सके हैं। स्थिति की पुनरीक्षा करने पर यह निश्चय किया गया है कि जिन पार्टियों ने 4-2-1977 से पूर्व अफ्रीका से आयातित हाथी-दांत के संबंध में अपने भंडार 29-2-1980 तक जी. एम. पी. लाभ प्राप्त करने के लिए अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड को घोषित कर दिए हैं, उनको भी उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना दिनांक 1-2-1980 में दी गई सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं प्रदान की जाएं।

मणि नारायणस्वामी, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

# MINISTRY OF COMMERCE & CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE NO. 27-ETC(PN)/80

New Delhi, the 10th June, 1980

## EXPORT TRADE CONTROL

Subject.—Export of Ivory Products from India—declaration of stocks of old Ivory imported prior to 4th February, 1977.

**File No. 25/3/80-EH.**—Attention is invited to Department of Commerce Public Notice No. 7-ETC(PN)/80 dated 1st February, 1980 on the above subject.

2. In terms of paragraph 2 of the aforesaid Public Notice, the dealers/manufacturers were required to declare the old African ivory imported prior to 4th February, 1977, and laying with them as on 19th February, 1980 to the All India Handicrafts Board, R. K. Puram, New Delhi, by 29th February, 1980. Exemption Certificates for export of ivory articles made of African ivory were to be issued till the stocks declared by 29th February, 1980 were exhausted.

3. Representations have been received by the Government that a large number of dealers/manufacturers of ivory articles could not declare the stock to the All India Handicrafts Board by 29th February, 1980 as provided in Public Notice No. 7-ETC(PN)/80 dated 1st February, 1980, as they had already declared their stocks to A.I.H.B. for claiming G.S.P. benefits. On review of the position it has been decided to extend the facility and the provisions of Public Notice dated 1st February, 1980 referred to above to those parties also for their stocks so declared to the A.I.H.B. upto 29th February, 1980 in respect of ivory imported from Africa prior to 4th February, 1977 for the purpose of claiming G.S.P. benefits.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of Imports & Exports